

---

# Shri Krishnasharana Ashtakam

---

## श्रीकृष्णशरणाष्टकम्

---

### Document Information



---

Text title : Shri Krishnasharana Ashtakam 3

File name : kRRiShNasharaNASHTakam3.itx

Category : vishhnu, krishna, aShTaka

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : Vani V.

Latest update : July 22, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 23, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीकृष्णशरणाष्टकम्



स्वामिनी चिन्तया चित्तखेदखिन्नमुखाम्बुजः ।  
निमीलन्नेत्रयुगलः श्रीकृष्णः शरणं मम ॥ १ ॥

मनोजभावभरितो भावयन्मनसा रतिम् ।  
मीलनव्याकुलमनाः श्रीकृष्णः शरणं मम ॥ २ ॥

निश्वासशुष्यद्वदनो मधुराधरपल्लवः ।  
मुरली नादनिरतः श्रीकृष्णः शरणं मम ॥ ३ ॥

निकुञ्जमन्दिरान्तस्थ सुमपल्लवतल्पकृत् ।  
प्रतीक्षमाण स्वप्राप्तिं श्रीकृष्णः शरणं मम ॥ ४ ॥

वियोग भाव विहसद्वदनाम्बुज सुन्दरः ।  
आकर्णयन्नलिरुतं श्रीकृष्णः शरणं मम ॥ ५ ॥

मुञ्चन्न शूणि विलुठन् गायन्मत्त इव क्वचित् ।  
नृत्यन् रसासक्तमनाः श्रीकृष्णः शरणं मम ॥ ६ ॥


शयान एकतस्तल्पे स्वप्नसम्बन्ध सिद्धये ।  
प्रबोध पश्चात्तप्तोयः श्रीकृष्णः शरणं मम ॥ ७ ॥

रसात्म रसरीतिज्ञो रसलीलापरायणः ।  
रसात्मगोपी रसिकः श्रीकृष्णः शरणं मम ॥ ८ ॥

इति श्रीकृष्णशरणाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Vani V.

pdf was typeset on July 23, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

